की संख्या की 14 राष्ट्रीयकृत बैंकों के बकाया अग्रिम की कुल राशि 1839 करोड़ रुपये थी।

(ख) चूंकि अग्रिमों का देना और उनकी पुनः अदायगी एक लगातार चलने वाली प्रक्रिया है अतः जिस प्रकार की सूचना पूछी गयी है वैसी सूचना बैंकों द्वारा रखी नहीं जाती।

(ग) बैंकिंग कम्पनों (उपक्रमों का अभिग्रहण और अन्तरण) अधिनियम 1970 की धारा 13(1) के अनुसार बैंक के असामियों के खातों के संबंध के में सूचना नहीं दी जा सकती।

अभ्रक उद्योग में संकट

3452. **श्री शंकर दयाल सिंह** : क्या वाणिज्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) क्या सरकार को पता है कि अमरीका द्वारा बड़े पैमाने पर अभ्रक का निर्यात किये जाने के कारण देश का अभ्रक उद्योग गम्भीर संकट का मुकाबला कर रहा है; और

(ख) इस मामले के तथ्य क्या हैं तथा इस संबंध में सरकार कौन से कदम उठा रही है?

वाणिज्य मंत्रालय में उपमंत्री (श्री ए० सी० जार्ज) : (क) और (ख) : अमरीका जमा भंडार से अभ्रक रिलीज किये जाने के फलस्वरूप भारत से अभ्रक के निर्यातों पर कुछ प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है। इस मामले को अमरीकी सरकार के साथ समुचित स्तर पर उठाया गया है।

एयर इंडिया और बी० ओ० ए० सी० के बीच करार

3453. **श्री शंकर दयाल सिंह** : क्या पर्यटन और नागर विमानन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या एयर इंडिया ने बी० ओ० ए० सी० के साथ लम्बी उड़ानों के बारे में करार किया है ; और

(ख) यदि हां, तो उसकी मुख्य बातें क्या हैं?

पर्यटन और नागर विमानन मंत्री (डा० कर्णसिंह) : (क) और (ख) : जी हां, एयर इंडिया तथा बी० ओ० ए० सी० ने एक पूल समझौता किया है जिसमें निम्नलिखित व्यवस्था की गयी है :

(i) इसमें एयर इंडिया के यू० के० तथा हांग कांग में समाप्त होने वाले अथवा पारगामी परिचालन और बी०ओ०ए० सी० के भारत में समाप्त होने वाले अथवा पारगामी परिचालन सम्मिलित है।

(ii) इस में यात्री तथा माल राजस्व सम्मिलित है।

(iii) उपयुक्त परिचालनों से अर्जित आय को इकट्ठे (पूल) किया जायगा तथा सहमत नियम (फार्मूले) के अनुसार दोनों एयर लाइनों में बांट दिया जायगा।

(iv) यह 1 जुलाई, 1973 से आरम्भ हुआ तथा सहमत व्यवस्था तीन वर्ष की अवधि के लिये लागू रहेगी परन्तु इस का प्रतिवर्ष पुनरावलोकन किया जाता रहेगा।

राष्ट्रीयकृत बैंकों द्वारा संस्थानों या व्यक्तियों को दिये गये ऋण

3454. **श्री शंकर दयाल सिंह** : क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) गत तीन वर्षों में राष्ट्रीयकृत बैंकों ने संस्थानों या व्यक्तियों को अब तक कितना ऋण दिया ;

(ख) इन ऋणों में सबसे अधिक राशी के दिये गये क्रमशः दस ऋणों का ब्यौरा क्या है; और

(ग) ऋणों की अदायगी के ढंग का विवरण क्या है और इसकी वसूली उचित ढंग से हो रही है या नहीं?

वित्त मंत्रालय में उपमंत्री (श्रीमती सुशीला रोहतगी) : (क) दिसम्बर 1970, दिसम्बर 1971 और दिसम्बर 1972 के अन्त में 14 राष्ट्रीयकृत बैंकों के अग्रिमों की कुल बकाया राशि